वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 216 गुरुवार 1 दिसम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

उपेन बोले-राहुल गांधी से बेरोजगार पूछेंगे कब होगा न्याय

9 फरवरी से सरकार के खिलाफ प्रदेशभर में निकालेंगे जन-चेतना यात्रा

जयपुर. कासं। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उपेन ने कहा कि सरकार ने बेवजह षड्यंत्र रच कर मुझे जेल भेजा लेकिन मैं सरकार की तानाशाही से डरने वाला नहीं हूं। जब तक बेरोजगारों की लंबित मांगे पूरी नहीं हो जाती हमारा आंदोलन जारी रहेगा। बल्कि, अब हम और ज्यादा आक्रामक तरीके से अपनी मांगों को उठाएंगे। इसके साथ ही मैं झूठे मुकदमे के खिलाफ कोर्ट में जाऊंगा और सरकार पर मानहानि का दावा भी करूंगा। उपेन यादव ने कहा कि राजस्थान में राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा लेकर आ रहे हैं। ऐसे में प्रदेश की हजारों बेरोजगार भी राहुल की इस यात्रा में शामिल होकर। उन्हें अपना मांग पत्र सौंपेंगे। इसके साथ ही हम राहुल गांधी से पूछेंगे कि आखिर राजस्थान के युवाओं के साथ कब होगा न्याय। क्योंकि राहुल ही अब तक युवाओं को न्याय दिलाने की वकालत करते आए हैं। उन्होंने कहा कि अगर इसके बाद भी राजस्थान सरकार ने हमारी लंबित मांगों को पूरा नहीं किया तो 9 फरवरी से हम राजस्थान के 33 जिलों में गांव-ढाणी और ब्लॉक स्तर पर सरकार के खिलाफ न्याय यात्रा निकालेंगे।

जमने लगी बर्फ, अब प्रदेश में तेज ठंड का अलर्ट

14 शहरों में 10 डिग्री से नीचे आया पारा; अजमेर-जयपुर में छाया कोहरा

जयपुर. कासं

कश्मीर और हिमाचल में बर्फबारी का सीधा असर राजस्थान में देखने को मिल रहा है। पंजाब बॉर्डर के नजदीक वाले जिलों में लगातार तापमान में गिरावट आ रही है। वहीं, प्रदेश के दूसरे हिस्सों में भी कड़ाके की ठंड के लिए मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। वहीं, बीते दो दिन से माउंट आबू और शेखावाटी के क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान 1.8 से 5 डिग्री के बीच रिकॉर्ड हो रहा है। इस कारण यहां रात में बर्फ जमने लगी है। बीकानेर सहित कोटा, चूरू में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के नीचे बना हुआ है। विभाग ने राजस्थान समेत उत्तर भारत के हिस्सों में 5 दिसंबर के बाद सर्दी का असर बढ़ने का अलर्ट जारी किया है।

वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से बदल रहा मौसम

लगातार बढ़ रही सर्दी का कारण कश्मीर के पास गिलगित बाल्टिस्तान एरिया में अगले 2 दिन में एक्टिव होने वाला एक हल्के प्रभाव का वेस्टर्न डिस्टर्बेंस है। इस सिस्टम से इस एरिया में हल्की बर्फबारी और बारिश

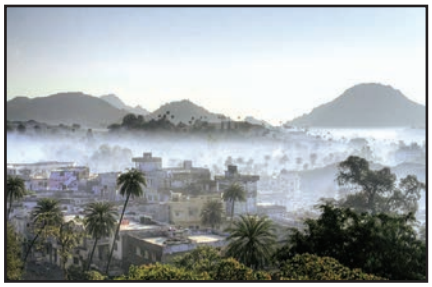

होगी, जिससे बाद यहां से ठंडी हवा मैदानी इलाकों में सर्दी बढ़ रही है। स्कायमेट वेदर के मुताबिक लम्बे समय बाद एक हल्का प्रभाव का वेस्टर्न डिस्टर्बेंस उत्तर भारत के हिस्सों में एक्टिव होगा, इसका असर दो दिन ही रहेगा। इस सिस्टम से गिलगित बाल्टिस्तान के अलावा कश्मीर की ऊंची चोटियों पर बर्फबारी होगी। इस सिस्टम से होने वाली बर्फबारी के बाद जब ये खत्म होगा तो उत्तर भारत से वापस तेज सर्द हवाएं मैदानी इलाकों की तरफ आने लगेगी, जिससे दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में न्यूनतम तापमान में थोड़ी गिरावट होगी।

2 डिग्री सेल्सियस तक गिरा पारा

राजस्थान में आज कई शहरों में तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। सीकर, बीकानेर, नागौर, हनुमानगढ़ में आज न्यूनतम तापमान 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक नीचे गिरा।

छात्र परिषद अलंकरण समारोह आयोजित

स्टूडेंट्स को क्रैवेट, बैज, सैश और हाउस फ्लैग से किया सम्मानित

जयपुर. कासं। द पैलेस स्कूल में छात्र परिषद अलंकरण समारोह बुधवार को पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाया गया। अलंकरण समारोह उन महत्वपूर्ण अवसरों में से एक है जब स्कूल नवनियुक्त छात्र परिषद को आशा एवं विश्वास के साथ जिम्मेदारी सौंपता है और उनसे उम्मीद करता है कि वे उच्च स्तर की गम्भीरता, विश्वास और कर्तव्यनिष्ठता का पालन करते हुए जिम्मेदार नागरिक का निर्माण करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या उर्वशी वर्मन ने की। उन्होंने चुने गए छात्र परिषद के सदस्यों को क्रैवेट, बैज, सैश और हाउस फ्लैग से सम्मानित किया गया। प्राचार्या ने उन्हें बधाई दी और अपने कर्तव्यों के निर्वहन में निष्पक्ष और ईमानदार होने के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने मूल्यों को कायम रखने का आह्वान भी किया। उन्होंने उन्हें याद दिलाया कि पद के साथ स्वयं अपने स्कूल और साथियों के प्रति जिम्मेदारी आती है।

एक कदम सफलता मोटिवेशनल सेमिनार में शेखावत बोले...

सबसे पहले अपने आप को नियंत्रित करना सीखें, अपनी स्किल्स पहचानें

जयपुर. कासं

महारानी कॉलेज में बुधवार को मोटिवेशनल सेमिनार एक कदम सफलता की ओर आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में आई.ए.एस. अधिकारी राजेन्द्र सिंह शेखावत उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में आरएएस अधिकारी मनमोहन शर्मा, नेहा मिश्रा एवं निम्स यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर डॉ. पंकज सिंह उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की अवधारणा एवं रूपरेखा महाविद्यालय के छात्रसंघ पद अधिकारियों ने बनाई। प्राचार्या प्रो.

मुक्ता अग्रवाल भी इस मौके पर मौजूद रही। राजेन्द्र सिंह शेखावत ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें सबसे पहले अपने आप को नियंत्रित करना सीखना होगा। आप अपनी स्किल्स को पहचानें, उसके आधार पर लक्ष्य तय करें और लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरन्तर प्रयास करें।

चित्राकन: सतीश जैन अकेला, जयपुर

श्री दिगम्बर जैन देशभूषण आश्रम में श्रीमज्जिनेन्द्र पार्श्वनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव व विश्व शांति महायज्ञ का चौथा दिन

दूध का सार है घी, साधना का सार है सिद्धिः आचार्यश्री सुनील सागरजी

तप कल्याणक में हुए वैराग्यमयी दृश्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

अरावली पर्वत श्रृंखला में स्थित अचरोल ग्राम मे श्री दिगम्बर जैन देषभूषण आश्रम में तपस्वी सम्राट आचार्य श्री सन्मति सागर जी गुरुदेव के पट्ट शिष्य चर्या शिरोमणि आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में चल रहे 6 दिवसीय श्रीमज्जिनेन्द्र पार्श्वनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव में बुधवार को तपकल्याणक की क्रियाएं हुई। इस अवसर पर भगवान का राज्याभिषेक,प्रभु का वन विहार, भगवान का वैराग्य व दीक्षा के वैराग्यमयी दृश्यों को देख श्रावक-श्राविकाओं का मन वैराग्य से भर उठा।

उक्त जानकारी देते हुए प्रचार संयोजक रमेश गंगवाल ने बताया आयोजन समिति से जुड़े

नेम प्रकाश खंडाका,देव प्रकाश खंडाका व संत कुमार खंडाका ने परिवार के साथ महोत्सव के चौथे दिन बुधवार को प्रतिष्ठाचार्य पंडित महावीर जी गींगला उदयपुर व जयपुर के डॉ.सनत कुमार जैन व ब्रह्मचारी विनय भैया के निर्देशन में सुबह श्रीजी का अभिषेक,शांतिधारा के पश्चात के बाद जन्मकल्याणक पूजा की इस मौके पर सौधर्म इन्द्र श्रीमती प्रियांगी-कमल खंडाका,धनपति कुबेर श्रीमती ममता सौगानी- शांति कुमार सौगानी जापान वाले,महायज्ञनायक श्रीमती राजुल-राजकुमार खंडाका व ईशान इन्द्र श्रीमती निलेश-नेक कुमार खण्डाका सहित अन्य इन्द्र-इन्द्राणियों ने आया मंगल दिन,मंगल अवसर पर.....रोम-रोम पुलकित हो जाए...जैसी भजनों की स्वर लहरियों के बीच अर्घ्य अर्पण किये। इसके बाद ,तीर्थंकर प्रभु का वनविहार,नाग-नागिन दृष्य दिखाए गए। महोत्सव के पुनीत अवसर पर मुनिराजों ने केशलोंच भी किए। इस महोत्सव के मंगलमयी प्रसंग पर हुई धर्मसभा में आचार्य उपदिष्ट हुए आचार्यश्री ने कहा कि जिसने सम्यकदर्शन के लिए पहला कदम नहीं उठाया? जिसे अभी तक भेदज्ञान नहीं हुआ और जिन लोगों ने वीतरागी देव,शास्त्र व गुरु की परख नहीं की,जिसने आत्मस्वरूप को भी नहीं जाना,वह कितने भी कदम चल ले पर मंजिल तक नहीं पहुंचता, बिना धर्म के वास्तविक स्वरूप को जाने बिना कुछ भी हाथ नहीं आएगा। उन्होंगे आगे कहा कि धर्मसभा में आने वाले को कम से कम प्रसादी तो हाथ तो आ ही जाएगी। जीवन

में जो धर्म के उपदेशों को सुनकर उसमें डूबते है और जीवन में उतारते है तो निश्चत ही उनकी काया पलट हो जाती है। आज तक हम संसार में यूंही ही भटक रहे है,तो समझ लेना आज तक हमारी कोशिश अधूरी है। चाहे जितना भी हो जाए लेकिन पहला कदम जरूरी है। सम्यक दर्शन हमारा पहला कदम है। तभी जीवन का कल्याण हो पाएगा। मुख्य संयोजक रुपेन्द्र छाबड़ा ने बताया कि मध्याह्न में युवराज पार्श्व का अभिषेक,महाराजा अश्वसेन का दरबार भगवान का वैराग्य,दीक्षा के कार्यक्रम हुए। सायंकाल आरती के बाद पार्श्वनाथ के 10 भवों के नाटकों का भाव पूर्वक मंचन किया गया। महोत्सव के तहत गुरुवार को सुबह 6.30 बजे से ज्ञानकल्याणक मनाया जाएगा। भगवान के तप कल्याणक की पूजा और कल्याण मंदिर पार्श्वनाथ विधान के पश्चात प्रवचन,तीर्थंकर महामुनिराज की आहारचर्या के बाद मध्याह्न 1 बजे सूरिमंत्र केवलज्ञान कल्याणक की अभ्यंतर क्रिया,मध्याह्न 3 बजे पार्श्वनाथ पर कमठोपसर्ग, सायंकाल 4.15 बजे आचार्यश्री के द्वारा समवशरण में दिव्य देशना व रात्रि में 7 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद सम्मान समारोह का कार्यक्रम होगा।

मस्तकाभिषेक महोत्सव का चौथा दिन...

राज्य सभा सदस्य एवं धर्माधिकारी डॉ वीरेन्द्र हेगड़े ने किये महामस्तकाभिषेक

सांस्कृतिक कार्यक्रम में झलकी राजस्थानी संस्कृति

राष्ट्रीय कवि सम्मेलन आज, चार दिसम्बर को होगा महामस्तकाभिषेक महोत्सव का समापन

जयपुर/ श्री महावीरजी. शाबाश इंडिया

चांदनपुर वाले बाबा के नाम से पूरे विश्व में प्रसिद्ध भूगर्भ से प्रकटित भगवान महावीर की मूंगावर्णी अतिशयकारी प्रतिमा के महामस्तकाभिषेक महोत्सव में चौथे दिन बुधवार को राज्य सभा सांसद एवं धर्माधिकारी डॉ वीरेन्द्र हेगड़े सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चार के साथ महामस्तकाभिषेक किये। इस मौके पर मंदिर परिसर जयकारों से गुंजायमान हो उठा। महामस्तकाभिषेक महोत्सव का 4 दिसंबर को समापन होगा।इस दौरान पुण्यार्जक श्रद्धालुओं एवं इन्द्र-इन्द्राणियों द्वारा 2651 कलशों से भगवान का महामस्तकाभिषेक किया जाएगा। महोत्सव समिति के प्रचार संयोजक विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि बुधवार को राज्य सभा सांसद एवं कर्नाटक प्रान्त के धर्मस्थल क्षेत्र के धर्माधिकारी डॉ वीरेन्द्र हेगड़े एवं उनके भाई सुरेन्द्र हेगड़े ने टीले से निकली अतिशयकारी 1 हजार वर्ष प्राचीन भगवान महावीर की मूंगावर्णी मूलनायक प्रतिमा के प्रथम महामस्तकाभिषेक किये। इस मौके पर आचार्य वर्धमान सागर महाराज, आचार्य अमित सागर महाराज की विशेष उपस्थिति रही। तत्पश्चात डॉ हेगड़े द्वारा चरण छतरी के नजदीक नव प्रतिष्ठित 24फुट 1इंच की उतंग खड्गासन बिजोलिया पत्थर से निर्मित भगवान महावीर की प्रतिमा के जयकारों के बीच मंत्रोच्चार के साथ महामस्तकाभिषेक किये गये। इस मौके पर अध्यक्ष सुधान्शु कासलीवाल, कार्याध्यक्ष विवेक काला,

उपाध्यक्ष एस के जैन,महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी मुख्य संयोजक सुभाष चन्द जैन, संयोजक सुरेश सबलावत, राकेश सेठी,प्रबंध समिति सदस्य रुपेन्द्र काला,पी के जैन एवं कलश आवंटन समिति समन्वयक देवेन्द्र अजमेरा, प्रशासनिक समन्वयक भारत भूषण

जैन सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठीजन उपस्थित थे। अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल एवं महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी के मुताबिक लगभग 301कलशों से पुण्यार्जक परिवारों के सैकड़ों श्रद्धालुओं द्वारा चौथे दिन जयकारों के बीच मंत्रोच्चार से महामस्तकाभिषेक किये गये। महोत्सव समिति के कार्याध्यक्ष विवेक काला एवं कोषाध्यक्ष उमरावमल संघी के मुताबिक शांतिधारा का पुण्यार्जन फरीदाबाद निवासी आदीश -आभा जैन परिवार को प्राप्त हुआ । मंत्रोच्चार के साथ विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए भगवान के सिर पर शांतिधारा की गई।महामस्तकाभिषेक महोत्सव में बुधवार को वर्धमान कलश का सौभाग्य डॉ वीरेन्द्र हेगड़े, नवरत्न कलश का सौभाग्य सुभाष जैन, ज्योति कलश का पियूष गंगवाल, संजीव जैन तथा स्वर्ण कलश का सौभाग्य अशोक सोगानी, निर्मल पाटनी,एस के जैन, रमेश चन्द पंकज जैन ने प्राप्त किया, इसके साथ हीरजत एवं ताम्र कलशों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान के महामस्तकाभिषेक किये। महोत्सव समिति के प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि बुधवार,30नवम्बर को प्रातः 8.15 बजे से सायं 4.15 बजे तक भगवान का महामस्तकाभिषेक हुआ। भगवान महावीर की मूंगावर्णी अतिशयकारी प्रतिमा का 4 दिसम्बर तक प्रतिदिन प्रातः 8.15 बजे से सायं 4.15 बजे तक महामस्तकाभिषेक होगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में झलकी राजस्थानी संस्कृति

अध्यक्ष सुधान्शु कासलीवाल एवं महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी ने बताया कि रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में मंगलवार को राजस्थानी सांस्कृतिक संध्या का भव्य आयोजन किया गया। राजस्थान सरकार के पर्यटन,कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा संयोजित इस कार्यक्रम में कलाकारों की दस टीमों सीकर, करौली, जोधपुर, जयपुर आदि द्वारा मनमौहक प्रस्तुतियां दी गई। रणथंभौर के गणेश जी की वन्दना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में घूमर,चरी नृत्य, फूलों की होली,मयूर नृत्य सहित कई मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक बुधवार को वीणा कैसेट्स जयपुर के सौजन्य से राजस्थानी सांस्कृतिक संध्या का भव्य आयोजन किया गया जिसमें कलाकारों द्वारा राजस्थानी संस्कृति को झलकाती मनमौहक प्रस्तुतियां दी गई।

राष्ट्रीय कवि सम्मेलन आज

महोत्सव समिति के कार्याध्यक्ष विवेक काला ने बताया कि गुरुवार,01 दिसम्बर को रात्रि 8.00 बजे से राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। कवि सम्मेलन में कवि अनामिका अम्बर,सौरभ सुमन, पंकज फनकार,अजय अहिंसा सहित बाल कवि आदित्य जैन कोटा अपनी कविताओं के माध्यम से भगवान महावीर के जीवन चरित्र एवं सिद्धांतों पर प्रकाश डालेंगे। जैन के मुताबिक दर्शनार्थियों के लिए मुख्य मंदिर दर्शन प्रातः 5.00 बजे से 7.00 बजे तक तथा सायंकाल 6.00 बजे से रात्रि 9.30 बजे तक हो सकेंगे। मंदिर के नीचे स्थापित ध्यान केन्द्र की प्रतिमाओं के दर्शन प्रातः 8.00 बजे से रात्रि 9.00 बजे तक हो सकेंगे। महोत्सव के दौरान जयपुर के श्री वीर सेवक मण्डल के अध्यक्ष महेश काला एवं मंत्री भानू छाबड़ा के नेतृत्व में 100 से अधिक सेवाभावी कार्यकर्ताओं द्वारा अपनी सेवाएं दी जा रही हैं।

वेद ज्ञान

जीवन जीने की कला

मनुष्य का जीवन आशा और निराशा का मिश्रण है। कभी हम यह सोचते हैं कि ऐसा करेंगे तो हमें सफलता मिल सकती है, लेकिन दूसरे ही पल हमें अपनी ही सफलता संदिग्ध लगने लगती है और फिर हम किंतु-परंतु के चक्कर में पड़ जाते हैं। यह हम पर निर्भर है कि हम किस दृष्टिकोण को अपनाते हैं। यदि हम आशावान बनकर सफलता के प्रति आसक्त हैं, तो हम हर हाल में सफलता को प्राप्त करेंगे, लेकिन यदि हम निराशा के भंवरजाल में फंसकर यह चिंता करने लगेंगे कि हम सफल हो पाएंगे या नहीं, तो हमारी सफलता भी संदिग्ध हो जाएगी। हमारी हार और जीत को हमारा मन और मस्तिष्क ही तय करता है-मन के हारे हार है और मन के जीते जीत। कभी-कभी जरूर ऐसा होता है कि हम पूरी उम्मीद और निष्ठा के साथ अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कठोर परिश्रम करते हैं, लेकिन इसके बावजूद हम लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पाते। ऐसी स्थिति में भी हमें आशा का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। इस स्थिति में हमें यह मानना चाहिए कि यह आवश्यक नहीं कि हर लड़ाई जीती ही जाए, बल्कि आवश्यक यह है कि हर हार से कुछ सीखा जाए। जब आप अपनी पिछली गलतियों से सबक सीखते हैं, तो आप स्वतः ही अपने लक्ष्य को अपने करीब पाते हैं। हमारे जीवन में बारी-बारी से सुख-दुख दोनों आते रहते हैं, लेकिन दोनों ही परिस्थितियों में हमें सहज बने रहना चाहिए। जीवन जीने की कला यही है कि जब हमारे जीवन में सुख आए, तो हमें जी भर के हंस लेना चाहिए और जब दुख आएं तो उन्हें हंसी में उड़ा देना चाहिए। समय चाहे सुख वाला हो या दुख वाला, दोनों ही बीत जाते हैं। हमें सुख में अपना संयम और दुख में अपना धैर्य नहीं खोना चाहिए। जिस तरह हर रात की सुबह होती है और हर सुबह, रात में परिवर्तित हो जाती है, सुख-दुख के साथ भी ठीक ऐसा ही होता है। जब लोग दुख में होते हैं, तो भगवान को याद करते हैं, लेकिन सुख आने पर वे भगवान को भूल जाते हैं। दुख में भगवान को सभी याद करते हैं, लेकिन सुख में कम लोग ही याद करते हैं। अगर लोग सुख में भी भगवान को याद करें, तो उन्हें दुख आएगा ही नहीं। दरअसल भगवान को याद करते हुए जब हम उसकी प्रार्थना करते हैं, तो हमारे अंदर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

संपादकीय

अब ओलंपिक की कमान पीटी उषा के हाथों में

भारतीय ओलंपिक संघ की कमान पीटी उषा के हाथों में आने से स्वाभाविक ही खिलाड़ियों, खेल संघों और खेल प्रेमियों में एक नया उत्साह देखा जा रहा है। ओलंपिक संघ के पंचानबे साल के इतिहास में यह पहली बार है, जब कोई महिला इसकी अध्यक्ष बनी है। पीटी उषा निर्विरोध निर्वाचित हुई हैं। उनके खिलाफ किसी और ने पर्चा नहीं भरा। इस तरह तमाम खेल संघों ने उनके प्रति सम्मान दर्शाते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी है। निस्संदेह पीटी उषा बहुत सारी महिला खिलाड़ियों और लड़कियों के लिए आदर्श रही हैं। इससे उन सबका मनोबल बढ़ा है। यह इस मायने में भी उत्साहजनक है कि इसमें किसी प्रकार की राजनीतिक दखलंदाजी नहीं रही। लंबे समय से आरोप लगते रहे हैं कि खेल संघों में राजनेताओं के काबिज रहने से खेलों में अपेक्षित प्रदर्शन देखने को नहीं मिलते।

राजनेताओं के खेल संघों में होने से उनमें भ्रष्टाचार के आरोप भी लगते रहे हैं। खिलाड़ियों के चयन में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने की शिकायतें भी मिलती रही हैं। इस तरह ओलंपिक संघ के साफ-सुथरे ढंग से काम करने का भरोसा बना है। पीटी उषा खुद ओलंपिक में भारत का नाम रौशन कर चुकी हैं, उड़न परी के नाम से उन्हें सम्मान प्राप्त है। खेल से संन्यास लेने के बाद वे इस संघ से जुड़ी रही हैं और प्रतिभा संघ के सदस्यों की अध्यक्ष भी रही हैं। वे ओलंपियाड परीक्षा आयोजित कराती हैं। इस तरह उनमें ओलंपिक खेलों के लिए अपने देश की खेल प्रतिभाओं को निखारने का जज्बा समझा जा सकता है। पिछले ओलंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने काफी सराहनीय प्रदर्शन किया। उससे उम्मीद बनी कि अगर खिलाड़ियों को उचित प्रशिक्षण और खेल का वातावरण मिले, तो वे दुनिया में भारत की अलग पहचान बना सकते हैं। पीटी उषा के ओलंपिक संघ का अध्यक्ष बनने के बाद उनसे स्वाभाविक ही ये अपेक्षाएं जुड़ गई हैं। हालांकि उनके सामने चुनौतियां कम नहीं हैं। खासकर खिलाड़ियों के चयन को लेकर अक्सर विवाद खड़े हो जाते हैं। पिछले ओलंपिक के वक्त भी एक खिलाड़ी ने अपने चयन में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाए जाने को लेकर अदालत का दरवाजा खटखटाया था। इसी तरह उनके प्रशिक्षक, जरूरी साजो-सामान, खानपान, खेल वातावरण आदि को लेकर शिकायतें रहती हैं। इन सबके लिए राजनीतिक संघर्ष करना पड़ता है। हालांकि पीटी उषा भी सत्तापक्ष की तरफ से राज्यसभा की सांसद हैं, इसलिए उन पर राजनीतिक प्रभाव से इनकार नहीं किया जा सकता। मगर उनकी प्रतिबद्धता खेलों के प्रति है, इसलिए सक्रिय राजनीति से आए लोगों की तरह उनसे पक्षपातपूर्ण रवैए की उम्मीद नहीं की जा सकती। पिछले ओलंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के उत्साहजनक प्रदर्शन के बाद केंद्र सरकार ने अगले ओलंपिक के लिए तैयारियों पर विशेष जोर दिया था।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

आतंक के खिलाफ

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मासिक अध्यक्षता के साथ ही भारत अब आतंकवाद के खिलाफ एक अहम मोर्चा लेने की तैयारी कर रहा है। यह जगजाहिर तथ्य है कि आतंकवाद ने भारत को कैसे दंश दिए हैं और इसके व्यापक जाल को तोड़ने में देश को कितनी ऊर्जा खर्च करनी पड़ी है। लेकिन यह अकेले भारत की समस्या नहीं है। अलग-अलग देशों में आतंकवाद ने कैसे कहर ढाए हैं और दुनिया में जानमाल की कितनी क्षति हुई है, यह सब तथ्य है। अपवादों को छोड़ दिया जाए तो लगभग सभी देश आतंकवाद के खिलाफ एक बड़ा मोर्चा खड़ा करने को लेकर सहमत दिखाई देते हैं। इसलिए भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अध्यक्षता करने के मौके को अगर इस अहम समस्या का सामना करने के रूप में देखा है, तो यह केवल अपने पक्ष में एक बेहतरीन कूटनीतिक पहल नहीं, बल्कि इसमें दुनिया के तमाम देशों को इस समस्या से राहत या फिर इससे आगे छुटकारा दिलाने की सदिच्छा भी दिखती है। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में इस भूमिका में आने के बाद भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वैश्विक आतंकवाद का मुकाबला करना और बहुपक्षवाद में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करना हमारी प्राथमिकता होगी। यह कोई छिपा तथ्य नहीं है कि पिछले कई दशकों से भारत जैसे विकासशील देश से लेकर अमेरिका जैसे सक्षम देश भी किसी न किसी रूप में आतंकवाद से प्रभावित रहे हैं। वह अमेरिका में 'वर्ल्ड ट्रेड टावर' और अन्य संस्थानों पर हमला हो या फिर भारत में मुंबई से लेकर पुलवामा आदि में हुई आतंकी वारदात, सबमें घटनाओं की प्रकृति भर अलग रही, लेकिन उन सबके पीछे एक मकसद साफ दिखता रहा कि व्यापक हिंसा फैला कर और जानमाल का नुकसान पहुंचा कर दुनिया में आतंक के जरिए भयादोहन से अपने अमानवीय एजंडे को पूरा करना है। लेकिन भारत सहित अन्य देशों ने अपने-अपने स्तर पर आतंकवादी संगठनों और उन्हें संरक्षण देने वाली ताकतों को लगातार मुंहतोड़ जवाब दिया है और यही वजह है कि पिछले कुछ सालों से आतंकवाद का जोर कुछ कम हुआ है। आतंकवादी छिपने पर मजबूर हुए हैं। हालांकि यहीं यह समझने की जरूरत है कि आइएसआइएस जैसे तमाम छोटे-बड़े संगठनों का आतंकवाद आज ऐसे स्वरूप में जटिल हो चुका है, जिसके निशाने पर कोई एक देश नहीं है और इसीलिए दुनिया के सभी देशों को इससे मोर्चा लेने के लिए एक ठोस पहल करने की जरूरत है। इससे निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक अभियान चलते रहे हैं, लेकिन जरूरत इस बात की है कि अब सभी देश एकजुट हों और एक बेहतर तालमेल के साथ ऐसा ढांचा खड़ा हो, जो हर मोर्चे पर आतंकवाद का सामना कर सके। इस लिहाज से देखें तो भारत ने आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए काम करने का जो इरादा जताया है, वह वक्त का तकाजा है। कई बार बेहद अहम समस्याओं पर उठने वाली छिटपुट आवाजें दब कर रह जाती हैं, मगर उसी मसले पर संगठित प्रयास दूरगामी असर डालते हैं। भारत अपनी सीमाओं पर और आंतरिक क्षेत्रों में आतंकवादी संगठनों की व्यापक हिंसा का सामना करता रहा है। लेकिन सीमा पार स्थित ठिकानों से संचालित आतंकी गतिविधियों से निपटने में कई बाधा खड़ी हो जाती है। ऐसे में अब यह उम्मीद स्वाभाविक है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की मासिक अध्यक्षता करते हुए भारत आतंकवाद के खात्मे के लिए ज्यादा सक्षम और संगठित तरीके से ठोस प्रयास कर सकेगा।

7 दिनों से लापता निधि जैन का अब तक कोई सुराग नहीं...

जैन समाज मे रोष, मुख्यमंत्री से की तत्काल कार्यवाही की मांग

जयपुर. शाबाश इंडिया। टोंक जिले के टोडारायसिंह निवासी मुकेश जैन झंडा की पुत्री निधि जैन पिछले 7 दिनों से लापता है, जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट टोडारायसिंह के स्थानीय पुलिस थाने देकर एफआईआर भी दर्ज करवा दी गई है किंतु अब तक निधि जैन का कोई सुराग नही लग पाया है। जिसको लेकर जैन समाज मे भारी रोष देखने को मिल रहा है और पुलिस प्रशासन कि कार्यवाही पर भी सवाल खड़े किए है अखिल भारतीय दिगम्बर जैन युवा एकता संघ ने कहा कि ''टोडारायसिंह थाने ने केवल खानापूर्ति करते हुए मात्र गुमशुदगी पर एफआईआर दर्ज की है इसके अलावा स्थानीय पुलिस प्रशासन ने मामले की गंभीरता को बिल्कुल भी नही समझा रही है और ना ही परिवार की पीड़ाओं को समझकर कार्यवाही को अंजाम दे रहे है।'' बुधवार को निधि जैन मामले की तत्काल जांच करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को जैन युवा एकता संघ द्वारा पत्र लिखकर तत्काल कार्यवाही की मांग की है, गुरुवार को संघ के पदाधिकारी मुख्यमंत्री आवास पर जाकर इस संदर्भ में ज्ञापन भी सौपेंगे। अखिल भारतीय दिगम्बर जैन युवा एकता संघ अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू ने जानकारी देते हुए बताया कि निधि जैन 23 नवम्बर 2022 से लापता है, वह उस दिन कॉलेज पढ़ने गई थी, उसके बाद से आज तक वह घर नही लौटी है और ना ही स्थानीय पुलिस कोई कार्यवाही कर रही है। सात दिनों बाद भी कोई सुराग ना लगने पर बुधवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से कार्यवाही के लिए गुहार लगाई गई। इसके अतिरिक्त टोडारायसिंह में भी सर्व समाज द्वारा प्रातः 11.30 बजे से माणक चौक से स्टेट बैंक होते हुए उपखण्ड कार्यालय तक पैदल मार्ग निकाला गया एवं उपखंड अधिकारी को भी ज्ञापन सौपा गया।

नवीन जैन मंदिर जीर्णोद्धार शिलान्यास समारोह संपन्न

सीकर. शाबाश इंडिया

श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर , नीम का थाना जिला सीकर राजस्थान में सोमवार को प्रतिष्ठाचार्य पंडित देवेंद्र कुमार शास्त्री के द्वारा मंदिर शिलान्यास का कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से संपन्न हुआ। शिलान्यास समारोह में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमे सीकर सहित नारनौल दिल्ली जयपुर सूरत भोपाल सुरेरा श्रीमाधोपुर आदि स्थानों से समाज के गणमान्य लोग सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में सर्वप्रथम श्री जी के अभिषेक हुए , प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य रणजीत जैन, जयपुर व शांतिधारा करने का सौभाग्य किशोर बड़जात्या, नागौर निवासी सूरत को प्राप्त हुआ। झंडारोहण नारायणी देवी मातेश्वरी मनोज कुमार सरिता देवी पाटोदी परिवार, झीगर जिला सीकर व फोटो अनावरण, दीप प्रज्वलन का सौभाग्य विमला देवी रणजीत कुमार निर्मला देवी सुरेश कुमार सुशीला देवी मनोज कुमार नीलम कासलीवाल परिवार (लाडनूं वाले) दिल्ली जयपुर को प्राप्त हुआ।

मुख्य शिला श्रावक श्रेष्ठी परिवार आनंद कुमार जैन (निवासी दुबई) सुपुत्र पद्मावती रणजीत जैन जौहरी दरीबा कलां दिल्ली परिवार को प्राप्त हुआ। चारों कोनो की शिला में प्रथम शिला शांतिलाल भागचंद शेखर चंद पवन कुमार रमेश कुमार पाटोदी (सुरेरा वाले)सुपुत्र छुट्टन देवी मदनलाल पाटोदी सूरत को , द्वितीय शिला उर्मिला देवी मोतीलाल नवीन कुमार किशोर कुमार बड़जात्या नागौर वाले सूरत को, तृतीय शिला संपतलाल रितेश कुमार सोगानी परिवार दानमल सोगानी एंड संस गुवाहाटी आसाम, चतुर्थ शिला उर्मिला देवी पवन कुमार मनीष कुमार नेहा देवी जैन खडुदरा निवासी सूरत को प्राप्त हुआ।

आदिब्रह्मा आदिनाथ फाउंडेशन ने जरूरतमंद लोगों को बांटे कंबल और वस्त्र

भिंडर. शाबाश इंडिया। आदिब्रम्हा आदिनाथ फाउंडेशन ,भींडर द्वारा आचार्य सुनील सागरजी महाराज की मंगल प्रेरणा से प्रारंभ स्वेटर एवं कंबल वितरण अभियान के तहत भटेवर क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों को कंबल वस्त्र,

शर्ट, टी शर्ट और छोटे बच्चों को बिस्किट पैकेट वितरित किए गए । इस अवसर पर संस्था निदेशक अनिल स्वर्णकार, कैलाश शर्मा, दिलीप आमेटा कुशाल सिंह शक्तावत मौजूद थे। इसके साथ ही बाल विद्यामंदिर स्कूल,करणपुर में तीन जरूरतमंद विधार्थियो को स्कूल यूनिफॉर्म वितरण की। संस्थानिदेशक अनिल स्वर्णकार ने बताया कि फाउंडेशन द्वारा 25 नवंबर से निरंतर भिंडर कानोड़ वल्लभनगर क्षेत्र में जरूरतमंद विधार्थियो को स्वेटर और गरीब लोगो को कंबल वितरण किए जा रहे हैं।

बानपुर
पंचकल्याणक

जन्मे शांतिकुमार, बजीं बधाइयां, भक्ति में झूमे भक्त, कुबेर ने लुटाया अपना खजाना

जन्माभिषेक का निकला भव्य जुलुस,जन्माभिषेक देखने उमड़े श्रद्धालु, बच्चों में अच्छे संस्कार डालें : मुनि श्री सुप्रभसागर

बानपुर, ललितपुर. शाबाश इंडिया

कस्बा बानपुर में बस स्टैण्ड स्थित महाराजा मर्दन सिंह क्रिकेट ग्राउंड में आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के सुयोग्य शिष्य मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज ससंघ एवं मुनि श्री समत्व सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सान्निध्य में चल रहे श्री मज्जिनेन्द्र शांतिनाथ चौबीसी तथा मानस्तम्भ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा, विश्वशांति महायज्ञ एवं गजरथ महोत्सव में बुधवार को जन्म कल्याणक की क्रियाएं विधि विधान के साथ की गईं। विधि विधान ब्रह्मचारी साकेत भैया के निर्देशन में मुख्य प्रतिष्ठाचार्य पंडित मुकेश 'विन्नम' गुड़गांव , प्रतिष्ठाचार्य डॉ हरिश्चन्द्र जैन सागर, पंडित निर्मल जैन गोंदिया महाराष्ट्र, पंडित अखिलेश जैन रमगड़ा के प्रतिष्ठाचार्योत्व में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम प्रातः6.30 बजे से पात्र शुद्धि, अभिषेक, शांतिधारा एवं नित्यमह पूजन की गई। जैसे ही आज प्रातः प्रतिष्ठाचार्य ने यह घोषणा की कि तीर्थंकर बालक का जन्म हो गया है, श्रद्धालुओं में अपार खुशी छा गयी और श्रद्धालु भावी तीर्थंकर भगवान के जन्म की खुशियां बांटने लगे। जन्म होते ही मिठाईयां बाटी गयीं, गगन भेदी नगाड़ो को बजाते हुए मंगल गान गाये गए। पाद प्रक्षालन का सौभाग्य अमित जैन राजाकारी परिवार को तथा शास्त्र भेंट बाबूलाल, अमित, नितिन, अर्थ, वर्ष ध्रुव कारी परिवार टीकमगढ़ को प्राप्त हुआ।

जन्माभिषेक का निकला भव्य जुलुस:

महोत्सव के प्रचारमंत्री डॉ. सुनील संचय-कपिल सराफ ने बताया दोपहर में तीर्थंकर बालक का विशाल जन्माभिषेक जुलुस निकाला गया। जिसमें मुख्य आकर्षण ऐरावत हाथी, रुद्रावतार ढोल-वाद्य पथक, अमरावती (महाराष्ट्र), स्वस्ति महिला मण्डल, मड़ावरा, बानपुर की महिला एवं बालिका मंडल, मौनियां, ढोल, बग्गी तथा श्रद्धालु सुमधुर धुनों पर नृत्य करते हुए चल रहे थे। पाण्डुक शिला पर प्रथम अभिषेक का सौभाग्य अशोक चौधरी परिवार बानपुर ने प्राप्त किया। जुलूस में कुबेर अपना खजाना लुटाते हुए चल रहा था। बैंड मधुर ध्वनि करते हुए चल रहा था। सर्व सेवा साधु समिति के स्वयंसेवक निर्धारित परिधान में सभी को आकर्षित कर रहे थे। वासुपूज्य युवा संघ सहित विभिन्न स्वयंसेवी संघ दिव्य घोष आदि के माध्यम से जुलूस को भक्तिमय बना रहे थे। जूलूस में हाथी, घोड़े और बग्गियां क्रमशः चल रही थीं। जुलूस का स्वागत भाजपा जिलाध्यक्ष राजकुमार जैन, विधायक रामरतन कुशवाहा, पंडित आशीष रावत, संदीप बुंदेला, अनिल यादव आदि ने किया। इस दौरान पांडुक शिला पर हुए जन्माभिषेक को देखने श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाव उमड़ पड़ा। बालक शान्तिकुमार को लेकर सौधर्म इंद्र ने पांडुक शिला पर ले जाकर अभिषेक कराया। इंद्राणी द्वारा तीर्थंकर बालक का प्रथम दर्शन एवं इंद्र द्वारा सहस्र नेत्रों द्वारा दर्शन के सुंदर मनोरम प्रेरणादायी दृश्यों का मंचन पंचकल्याणक के पात्रों द्वारा किया गया जिसे देख दर्शकभाव-विभोर हो गए। संगीतमय महाआरती एवं शास्त्र प्रवचन का आयोजन भी किया गया। बालक शांतिकुमार का पालना झुलाने भी खूब उत्साह देखा गया। इस दौरान मुनि श्री सुप्रभ सागर महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि भावी तीर्थंकर जो आज बालक रूप में जन्मा है , उसके जन्म पर प्रतिदिन करोड़ों रत्नों की बर्षा देव करते हैं लेकिन तीर्थंकर के लिए तो यह सब माया है।

तीये की बैठक

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूजनीय
श्री निर्मल कुमार जी जैन (पाण्ड्या)
(सुपुत्र स्व. श्री कुन्दनमल जी पाण्ड्या)
का स्वर्गवास दिनांक 28 नवम्बर 2022 को हो गया है।
तीये की बैठक, गुरुवार 01 दिसंबर 2022 को प्रातः 9 बजे भट्टारक जी की नसियां पर होगी। तत्पश्चात् घड़ियों का दस्तूर होगा।

शोकाकुल : कनकलता (पत्नी), अमरचंद, ललितकुमार, पदमचंद (भ्राता), मीना देवी (भाभी), राजकुमार- महिमा, अजय-आभा, विजय-एकता, नीलकमल-सोनिका, अनुज (भतीजा-भतीजा बहू), नीतू-शशांक जी सांघी, प्रिया-नितिन जी मालपुरा वाले (पुत्री-दामाद), प्रियांक-मुग्धा (पुत्र-पुत्रवधू), मुन्नीदेवी, सुशील जी बोहरा, निर्मलादेवी (बहन-बहनोई), अंजूला-अजय जी, रानी-दीपक जी, वन्दना- राजेश जी (भतीजी-भतीजी दामाद), सुरभि-सिद्धार्थ जी (पौत्री-पौत्री दामाद), समृद्धि, मानवी, गार्गिक, मितवी (दोहिता-दोहिती)।
ससुराल पक्ष: मैनादेवी, बाबूलाल, कैलाशचंद, अनीतादेवी, ललित कुमार, मंगलेश कुमार एवं भौच परिवार।
निवास स्थान : B-15, मधुबन कॉलोनी, जयपुर।

प्रतिष्ठान: Friends Enterprises, Nirmal Kumar & Sons, Nircon Polymers Pvt. Ltd. , Evergreen Corporation, Evergreen Bath Avenue

आचार्य श्री वैराग्य नन्दी जी एवं उपाध्याय श्री ऊर्जयन्त सागर मुनिराज का हुआ महामिलन

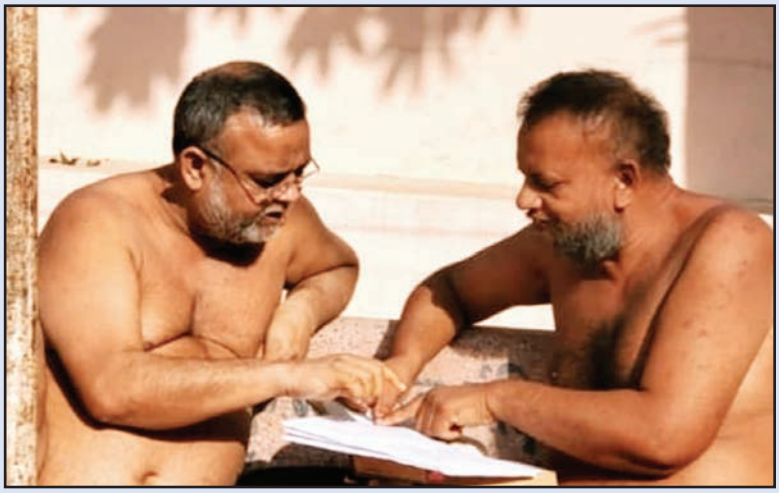

दौसा. शाबाश इंडिया। धर्म नगरी दौसा में आचार्य श्री वैराग्य नन्दी जी एवं उपाध्याय मुनि श्री ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज का मंगल मिलन हुआ। श्री महावीर जी के लिए पद विहार करते आचार्य श्री वैराग्य नन्दी जी महाराज ससंघ ने आज दौसा मे मंगल प्रवेश किया जहां पर विराजमान उपाध्याय मुनि श्री ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज ने मंगल अगवानी की।

श्री महावीर कॉलेज में यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान द्वारा आयोजित

अंतर महाविद्यालय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान द्वारा आयोजित की जाने वाले अंतर महाविद्यालय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन इस समय श्री महावीर कॉलेज में आयोजित किया जा रहा हैं । 1 से 3 दिसंबर 2022 तक आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में राजस्थान के अलग अलग क्षेत्रों से आये हुए पुरूषं खिलाडी इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं। 1 दिसंबर को होने वाले उद्घाटन समारोह का मुख्य अतिथि श्री सतप्रकाश यादव (अंतर्राष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाडी भारतीय बास्केट बाल टीम के कप्तान रह चुके हैं एवं भारतीय टीम के मुख्य कोच भी रह चुके हैं) द्वारा इस प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया जाएगा।

प्रेरणा दिवस पर किया रक्तदान

अजमेर. शाबाश इंडिया। लायंस क्लब अजमेर पृथ्वीराज द्वारा प्रेरणा दिवस पर रक्तदान शिविर में भाग लेकर लोगो को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। स्वच्छ भारत की डिस्ट्रिक चेयरपर्सन लायन आभा गांधी ने बताया कि दैनिक भास्कर संस्थान द्वारा सामाजिक एंव राष्ट्रीय महत्व के कार्यक्रमों में सदैव अपनी भूमिका निभाने का प्रयास किया जाता है। उसी क्रम में स्व रमेशचंद अग्रवाल के जन्मदिवस पर उनके सेवा कार्यों को आगे बढ़ाते हुए बुधवार को भास्कर कार्यालय में जरूरतमंदों के हित में एक दिवसीय ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन किया गया। पृथ्वीराज की ओर से लायन राजेंद्र गांधी ने 37 वी बार रक्तदान कर दूसरो के लिए प्रेरणा बने। क्लब सचिव लायन सुनील शर्मा ने भी रक्तदान किया। लायंस क्लब अजमेर शौर्य की ओर से लायन सुनीता शर्मा, लायन सीमा शर्मा ने रक्तदान किया। इस अवसर पर क्लब सचिव लायन अमिता शर्मा, लायन राजकुमारी पांडे, लायन मंजू मालू उपस्थित थे । ग्रीन आर्मी की ओर से सिद्ध भटनागर ने रक्तदान किया। इस मौके पर कुलदीप भाटी भी उपस्थित थे । रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

1 दिसम्बर-विश्व एड्स दिवस

एड्स जानलेवा है...

डरना नही समझना होगा तभी एड्स से बचना होगा

डॉक्टर एम के जैन वरिष्ट शिशु रोग विशेषज्ञ एवं अध्यक्ष आइएपीविदिशा

सरकार, स्वास्थ्य कर्मी और स्वयं सेवी संगठन सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप समाज और मानव जाति को प्रतिरोधक क्षमता कम करने वाले विषाणुओं के इन्फेक्शन/ एड्स के प्रति जागरुकता बढ़ाने से इसे रोका जा सकता है। 1988 से प्रति वर्ष 1 दिसम्बर को पूरी दुनिया में विश्व एड्स जागरुकता दिवस मनाया जाता है। मतलब मनुष्य के शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम करने वाला वाइरस का इन्फेक्शन जो कि अनैतिक यौन सम्बन्ध यानी एक पुरुष के या एक महिला के अनेकों से यौन सम्बन्ध, असुरक्षित इंजेक्शन, असुरक्षित, अप्रशिक्षित व्यक्तियों द्वारा नाक कान छिदवाना, टैटू बनवाना, सौन्दर्य प्रसाधन करवाना या फिर एड्स पीड़ित माँ से नवजात या फिर बिना जाँचा रक्त या अन्य मानव शरीर के द्रव्यों के आदान प्रदान से हिव/एड्स फैल सकता है। एड्स से मनुष्य के शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है परिणाम स्वरूप सामान्य सी बीमारियाँ भी विकराल रूप से पनप जाती है। लक्षणों में लगातार बुखार आना, अत्यधिक कमजोरी बनी रहना, सिर दर्द बना रहना, अत्यधिक दस्त बने रहना, लगातार वजन कम होते जाना रात्रि में अत्यधिक पसीना आना भूख में कमी हो जाना मुँह/ गुप्तांग में छाले बने रहना, सर्दी, खांसी और निमोनिया बार-बार हो जाना,

याददास्त कमजोर होते जाना, मानसिक रूप से अवसाद में रहना भी हो सकता है। शंकास्प्रद होने पर तत्काल टेस्ट करवाया जाना चाहिए जो कि सरकारी / निजी तौर पर आसानी से करवाया जा सकता है। उपचार भी सरकारी हॉस्पिटल में निशुल्क प्रदाय किया जा रहा है संक्रमण होने पर भी उपचार ना करवाने से गम्भीर बीमारियाँ जैसे फेफड़ों की टी . बी.,गम्भीर निमोनिया , साईटोमेगेलो वाइरस , कैंडिडा का संक्रमण भी हो सकता है और शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाने से पूरी तरह एड्स के चंगुल में फँस जाता है। एचआईवी संक्रमण के निदान होने पर प्रभावी और निशुल्क दवाओं से स्तिथि आजीवन नियंत्रण में रह सकती है अन्यथा बहुत मुश्किल हो जाता है।

पूज्य समकितमुनिजी पहुंचे जयपुर के सांगानेर

गुरुवार को मालवीयनगर में रहेगा प्रवास

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया।

जयपुर। भीलवाड़ा के शांतिभवन में ऐतिहासिक चातुर्मास सम्पन्न करने वाले आगम मर्मज्ञ, प्रज्ञामहर्षि पूज्य समकितमुनिजी म.सा., प्रेरनाकुशल भवान्तमुनिजी मसा, गायनकुशल जयवन्तमुनिजी मसा आदि ठाणा मंगलवार को रेनवाल से विहार कर जयपुर महानगर के सांगानेर उपनगर में पहुच गए। रेनवाल से सांगानेर तक मार्ग में जगह-जगह श्रावक- श्राविकाओ ने उनका वंदन-अभिनन्दन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कई श्रावको ने विहार सेवा का भी लाभ लिया। पूज्य संत गुरुवार सुबह सांगानेर से मंगलविहार कर जयपुर के मालवीयनगर क्षेत्र में पहुचेगे।यहां उनका वासुपूज्य जैन मंदिर में प्रवास रहेगा। मुनिश्री का शुक्रवार को जवाहरनगर में प्रवास रहेगा। इसके बाद पूज्य समकितमुनिजी म.सा. आदि ठाणा विहार यात्रा के तहत 3 दिसम्बर को जयपुर से दिल्ली की ओर मंगलविहार करेंगे। उनके 24-25 दिसम्बर तक मेरठ पहुंचने की भावना है।

पंचकल्याणक में घूमने-फिरने नहीं आत्म सुख की प्राप्ति के लिए आएं: मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज

इंदौर. शाबाश इंडिया

पंचकल्याणक की बेला तत्व के उपदेश को ग्रहण करने की बेला है। इंदौर का सौभाग्य है कि उसे निरंतर पंचकल्याणक महोत्सव देखने और उसमें बैठकर भगवान की पूजा भक्ति करने और पाषाण से परमात्मा बनने की विधि को देखने का सौभाग्य मिल रहा है। पंचकल्याणक महोत्सव में घूमने फिरने के लिए नहीं आत्म सुख की प्राप्ति एवं अपने अंदर बैठे भगवान की प्रतिष्ठा कैसे हो यह जानने सीखने के उद्देश्य से आएं तभी तुम्हारा पंचकल्याणक में आना सार्थक होगा। यह विचार श्रुत संवेगी मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज ने श्री नेमिनाथ जिन बिंब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के प्रथम दिन महावीर नगर में आयोजित महोत्सव में आए हजारों भक्तों की उपस्थिति में व्यक्त किए। मुनि श्री ने कहा कि जो अपने मानअपमान की स्थिति में भी समता और शांति रखता है उसका व्यक्तित्व बड़ा होता है।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी कहा...

गलत सोच, गलत दिशा और गलत अन्दाज... इन्सान को गुमराह ही नहीं करता, बल्कि कहीं का नहीं छोड़ता

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

स्थिति ऐसी होती है जैसे धोबी का कुत्ता - ना घर का ना घाट का। जीवन जीने के तरीके अच्छे हों तो आदमी झोपड़ी में भी महल का सुख भोग सकता है और नियत ठीक नहीं है तो महल भी झोपड़ी से बदत्तर है। जो लोग कम मिलने पर भी सदा हंसते मुस्कुराते रहते हैं, वे ही स्वर्ग जाने के अधिकारी हैं। इसलिए किसी ने कहा-सन्तोषी सदा सुखी, लोभी सदा दुखी। जो गुरू और प्रभु को सदा धन्यवाद देते हैं, माता पिता के प्रति आभार प्रदर्शित करते हैं, जो भीतर से अमीरी का भाव लेकर जीते हैं, वे ही लोग आज सुखी हैं। जो सुख और दुःख में सदा धन्यवाद देते हैं, उनके प्रत्येक दिन दिव्यता से गुजरते हैं। ऐसे ही लोगों पर माता पिता, प्रभु और गुरू की कृपा एक साथ बरसती है। ऐसे लोग ही धर्म को धारण कर धर्म का फल भोगते हैं, फिर वो लकीर के फकीर नहीं बनते, समस्याओं में नहीं समाधान में जीते हैं। भीतर से मौन, चेहरे की प्रसन्नता से परिलक्षित होता है। और फिर सुख, शान्ति, सन्तोष, सदभाव, प्रेम मैत्री, आनंद का जन्म होता है, और पापों की जमा पूंजी का खात्मा होता है,, फिर धर्म का प्रकाश फैलता है और भाग्य को सौभाग्य में बदलने की शक्ति पैदा होती है। इसलिए जहाँ भी रहो, जिस कद पद पर रहो, समाज और देश की जरूरत बनकर रहो बोझ बनकर नहीं...। नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा
महोत्सव 24 नवम्बर से
28 नवम्बर 2022

महामस्तकाभिषेक
महोत्सव 27 नवम्बर से
04 दिसम्बर 2022

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी

भगवान महावीर महामस्तकाभिषेक महोत्सव-2022

24 नवम्बर से 04 दिसम्बर 2022 तक

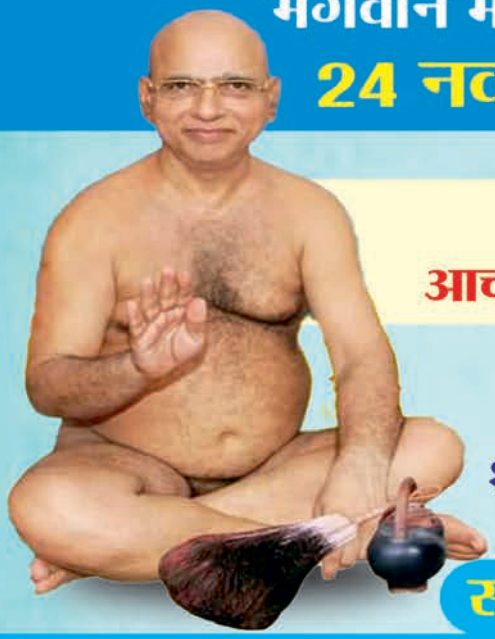

पावन सानिध्यः वात्सल्य वारिधि
आचार्य श्री 108 वर्धमानसागर जी महाराज ससंघ

स्थानः दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र
श्री महावीरजी, जिला करौली (राज.)

सांस्कृतिक कार्यक्रम

दिनांक	:	25-11-2022	वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज के जीवन पर आधारित नृत्य नाटिका
दिनांक	:	26-11-2022	श्री रूपेश जैन एण्ड पार्टी
दिनांक	:	27-11-2022	रंगशाला नाट्य अकादमी, इंदौर
दिनांक	:	28-11-2022	डॉ. गौरव सौगानी एण्ड पार्टी, जयपुर
दिनांक	:	29-11-2022	पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग राजस्थान
दिनांक	:	30-11-2022	वीणा कैसेट्स, जयपुर
दिनांक	:	01-12-2022	राष्ट्रीय कवि सम्मेलन
दिनांक	:	02-12-2022	श्री दिगम्बर जैन महासमिति, सांगानेर (जयपुर)
दिनांक	:	03-12-2022	सम्मान समारोह
दिनांक	:	04-12-2022	भगवान महावीर के वृत्त चित्र का प्रदर्शन

प्रबन्धकारिणी कमेटी, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी

सुधान्शु कासलीवाल अध्यक्ष	शांतिकुमार जैन उपाअध्यक्ष	महेन्द्र कुमार पाटनी मानद मंत्री
सुभाषचन्द जैन संयुक्त मंत्री	उमरावमल संघी संयुक्त मंत्री	विवेक काला कोषाध्यक्ष

सदस्यगण :- सुभद्र कुमार पाटनी, नरेश कुमार सेठी, भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी मुंम्बई (शिखरचन्द पहाडिया), पूनमचन्द्र शाह, डॉ. कमलचन्द सौगानी, नगेन्द्र कुमार जैन, हेमन्त सौगानी, अशोक जैन, कमल कुमार बड्जात्या, नरेन्द्र कुमार जैन, देवेन्द्र कुमार जैन, अशोक कुमार पाटनी, सतीश अजमेरा, सुधीर कासलीवाल, सी. पी. जैन, डॉ. पदम कुमार जैन, प्रदीप कुमार जैन, अनिल पाटनी (दीवान), रूपिन के. काला, सुरेश सबलावत

वैष्णव ब्राह्मण सेवा समिति के तत्वावधान मे प्रथम निःशुल्क आदर्श सामुहिक विवाह सम्मेलन में 21 जोड़े बंधे परिणय सूत्र मे

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। वैष्णव ब्राह्मण समिति जिला अजमेर के तत्वावधान मे प्रथम निशुल्क आदर्श सामुहिक विवाह में तुलसी सालिगराम सहित 21 जोड़े बने हमसफर। पुष्कर स्थित अखिल भारतीय वैष्णव ब्राह्मण चतुर्थ सम्प्रदाय भवन एंव शैक्षणिक ट्रस्ट वैष्णव धर्मशाला, बटबाय, बूढा पुष्कर रोड, पुष्कर मे आयोजित विवाह सम्मेलन में सोमवार सुबह सभी वर वधुओं की शहर में धूमधाम से शोभायात्रा निकाली गई। समिति अध्यक्ष व सम्मेलन मुख्य संयोजक रामस्वरूप वैष्णव सहित पदाधिकारियों ने वर वधुओं सहित बरातियों का स्वागत किया। इसके बाद तोरण एंव वरमाला कार्यक्रम एवं पाणिग्रहण संस्कार सहित कार्यक्रम हुए। आशीर्वाद व सम्मान समारोह में सभी अतिथियों द्वारा वर वधुओं को आशीर्वाद दिया गया। आशीर्वाद एवं विदाई समारोह के मुख्य अतिथि पुष्कर पालिका चेयरमैन कमल पाठक, सत्यनारायण रामावत, अजमेर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम सुंदर हरिद्वार , युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्तम वैष्णव ताजपुरा, कमल रामावत, सहित भामाशाहों के आतिथ्य में आयोजित हुआ। समारोह में भामाशाहो, पत्रकारों, व विभिन्न सेवा समितियों के अध्यक्ष व प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों का विवाह समिति पदाधिकारियों द्वारा सम्मान किया गया । इस अवसर पर ठेकेदार विष्णु प्रकाश वैष्णव, रधुनाथ चुरली, नाथुलाल जाटली, परमेश्वर बैरागी, श्रवण लाल, राधेश्याम राजाराम वैष्णव बिजयनगर, परशुराम वैष्णव, एडवोकेट गोपाल वैष्णव गुलाबपुरा, रामेश्वर दास सनोदिया, सियाराम वैष्णव केकडी, परमेश्वर वैष्णव अरनिया, सुरेन्द्र वैष्णव देराठू, रामलाल वैष्णव, ताराचंद वैष्णव, विनोद वैष्णव देराठू, श्याम पीपावत, रामचरण, बजरंग दास बडला, ओमप्रकाश, रामगोपाल वैष्णव, पत्रकार रामकिशन वैष्णव बिजयनगर, मुकेश वैष्णव देराठू, नवल वैष्णव,दिनेश वैष्णव, केकडी, अनिल पाराशर पुष्कर सहित हजारों की संख्या में समाज के लोगों मौजूद थे। विवाह सम्मेलन में समिति द्वारा सभी वर वधुओं को घरेलू सामग्री व उपहार भी प्रदान किये गए।

आरोग्य मेला संपन्न, 12 हजार रोगियों को परामर्श, उत्कृष्ट सेवा देने वाले कर्मयारियों को किया सम्मानित

डॉ. पीयूष त्रिवेदी ने आरोग्य मेले में दिया डेमो, शरीर में 107 मर्म केंद्र, सही प्रकार दबाने से बीमारियों का इलाज

भरतपुर. शाबाश इंडिया

दवा, इजेंक्शन और ऑपरेशन के बिना भी चिकित्सा पद्धति मर्म से शरीरी को स्वस्थ रखा जा सकता है। जयपुर से आए मर्म चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. पीयूष त्रिवेदी ने बताया कि शरीर में 107 मर्म होते हैं, जो कि हमारे शरीर और चेतना के द्वार हैं। ये केंद्र शरीर के आगे और पीछे दोनों ओर होते हैं, जिनमें 22 शरीर के निचले हिस्सों पर, 22 भुजाओं पर, 12 छाती और पेट पर, 14 पीठ पर, 37 सिर और गर्दन पर होते हैं। इन्हें सही प्रकार से स्थिति में लाना ही मर्म चिकित्सा पद्धति है। इसे एक्युप्रेशर के रूप में भी जाना जाता है। इससे रीढ़ की हड्डी दोष स्लिप डिस्क, मेरू रज्जू आघात, सायंटिका, रूमे टाइड आर्थराइटिस, सर्वाइकल स्पोंडोलिसिस, स्पोण्डीलाईटिस, क्रोनिक पैनक्रियेटाइटिस, हेपेटाईटीस, माइग्रेन फेशियल पेरोलईसिस, टिटिनस, मोटापा, हड्डी रोग, नाड़ी रोग आदि दूर कि जा सकते हैं। डॉ. पीयूष का कहना है कि मर्म चिकित्सा आयुर्वेद का अंग है, जो कि शरीर की बाधित ऊर्जा केंद्रों की सफाई कर शरीर के स्वास्थ्य को बनाए रखता है। मर्म चिकित्सा में हल्की संवेदना इन केन्द्रों पर की जाती है, जो कि शरीर की बाधित ऊर्जा को समाप्त कर शारीरिक और मानसिक रूप से आराम पहुंचाती है। यह एक प्रभावी प्रक्रिया है जो कि शरीर के सूक्ष्म और संवेदनात्मक ऊर्जा केंद्रों को खोलकर शरीर में ऊर्जा के प्रवाह को बढ़ाती है।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

डॉ. पीयूष का कहना है कि मर्म चिकित्सा आयुर्वेद का अंग है, जो कि शरीर की बाधित ऊर्जा केंद्रों की सफाई कर शरीर के स्वास्थ्य को बनाए रखता है। मर्म चिकित्सा में हल्की संवेदना इन केन्द्रों पर की जाती है, जो कि शरीर की बाधित ऊर्जा को समाप्त कर शारीरिक और मानसिक रूप से आराम पहुंचाती है।